आरती श्री गोवर्धन महाराज जी की

श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रहो ।
तोपे पान चढ़े, तोपे फूल चढ़े
और चढ़े दूध की धार, ओ धार । तेरे माथे...

तेरे कानन में कुण्डल सोहे,
तेरे गले वैजयन्ती माला । तेरे माथे...

तेरी सात कोस की परिकम्मा,
तेरी दे रहे नर और नार । तेरे माथे..

तेरे जतीपुरा में दूध चढ़त है
तेरी हो रही जै जै कार । तेरे माथे...

तेरे मानसी गंगा बहे सदा
तेरी माया अपरम्पार । तेरे माथे..

ब्रज मंडल जब डूबत देखा,
ग्वाल बाल जब व्याकुल देखे,
लिया नख पर गिरवधार । तेरे माथे..

वृन्दावन की कुंज गलिन में,
वो तो खेल रहे नन्दलाल । तेरे माथे..

चन्द्र सखी भजवाल कृष्ण छवि,
तेरे चरणों पै बलिहार । तेरे माथे..

विवरण

हे ! श्री गोवर्धन महाराज आपके माथे पर मुकुट विराजमान हो रहा है । आपको पान चढ़ता है, आपको फूल चढ़ता है और दूध की धार भी आपको निरन्तर चढ़ता है, हे ! श्री गोवर्धन महाराज आपके माथे पर मुकुट विराजमान हो रहा है ।

आपके कानों में कुण्डल शोभा पा रहे रहे हैं और गले में बैजयन्ती के फूलों की माला भी सुशोभित हो रही है । हे ! श्री गोवर्धन महाराज सभी स्त्री और पुरुष
आपके सात कोस की परिक्रमा को पूरी कर रहे हैं, हे ! श्री गोवर्धन महाराज
आपके माथे पर मुकुट विराजमान हो रहा है ।

आपके पवित्र वेदी पर दूध चढ़ रहा है और आपकी जय - जयकार हो रही है । हे ! श्री गोवर्धन महाराज आपके माथे पर मुकुट विराजमान हो रहा है । आप ही के मन से सदा गंगा बहती रहती है, आपकी महिमा बड़ी ही निराली है, हे ! श्री गोवर्धन महाराज आपके माथे पर मुकुट विराजमान हो रहा है ।

जब आपने देखा की पूरा ब्रजमंडल डूब रहा है, ग्वाल-बाल घबराहट से व्याकुल हो रहे हैं, तब आपने गोवर्धन पर्वत को अपनी उँगली पर धारण करके सबकी रक्षा की । आप वृन्दावन की गलियों में खेलने वाले नन्दलाला हो । हे! श्री गोवर्धन महाराज चन्द्रसखी कहते हैं कि हे कृष्ण ! आपकी इस छवि को देखकर, आपके चरणो में हम बलिहारी जाते है ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.